University in News on 03 August 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : एमए-एमएड की परीक्षाएं 16 से

लखनऊ। लखनऊ विवि प्रशासन ने मंगलवार को भी कई परास्नातक कोर्सों का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया। इसके अनुसार एमएड चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) व ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 16 से 24 अगस्त तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होंगी। वहीं, एमए चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 16 से 24 अगस्त तक और ओल्ड कोर्स की 16 व 19 अगस्त को सुबह नौ से 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

एमए-एमएससी स्टैटिस्टिक्स दूसरे सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर, इंप्रूवमेंट व छूटे छात्रों) की परीक्षाएं 22 से 31 अगस्त तक और एमए-एमएससी बायो स्टैटिस्टिक्स चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 20 से 27 अगस्त तक सुबह नौ से 12 बजे तक होंगी। एमए राजनीति विज्ञान दूसरे सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर, इंप्रूवमेंट, छूटे छात्रों) की परीक्षाएं 17 से 29 अगस्त तक और दूसरे सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 17 से 27 अगस्त तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार एमए राजनीति विज्ञान चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 16 से 24 अगस्त तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 16 से 26 अगस्त तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होंगी। एमएससी जूलॉजी चौथे सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर व छूटे छात्रों) की परीक्षाएं 16 से 20 अगस्त तक दोपहर दो से पांच बजे तक आयोजित की जाएंगी।

इसी क्रम में एमए अर्थशास्त्र चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 16 से 24 अगस्त तक, ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 16 से 26 अगस्त तक, बीए ऑनर्स अर्थशास्त्र दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 24 अगस्त, चौथे सेमेस्टर की 17 से 26 अगस्त तक, छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 26 अगस्त तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

डॉ. संजय मेधावी को रजिस्ट्रार का दायित्व

लखनऊ। लखनऊ विवि के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह का ट्रांसफर डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा हो गया है। वे 25 जुलाई को रिलीव हो चुके हैं। इस क्रम में रजिस्ट्रार का काम परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी देख रहे थे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नए कुलसचिव के ज्वॉइन करने तक व्यापार प्रशासन विभाग के डॉ. संजय मेधावी को रजिस्ट्रार का दायित्व दिया है। मंगलवार शाम को उन्होंने कार्यभार संभाल लिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

कार्यवाहक कुलसचिव बने संजय मेधावी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव रहे डा. विनोद सिंह का स्थानांतरण होने के बाद संजय मेधावी को कार्यवाहक कुलसचिव नामित किया गया है। जानकारी के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर संजय मेधावी ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया। अब वह इस पद से संबंधित काम काज देखेंगे।

एलयू में ग्रेड प्वाइंट अंकों के अनुसार मिले

लखनऊ। एलयू में स्नातक स्तर पर एनईपी लागू होने के बाद बीएससी फर्स्ट सेमेस्टर का परिणाम जारी हो चुका है। जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने जीरो अंक मिलने का विरोध जताया। एलयू परीक्षा नियंत्रक ने एनईपी के तहत मार्कशीट में दिए जाने वाला ग्रेड सिस्टम छात्रों के लिए जारी किया। जिससे छात्र समझ सकें कि मार्कशीट पर जो क्रेडिट प्वाइंट जीरो हैं वो अंक जीरो मिलने के कारण नहीं हैं बल्कि क्रेडिट प्वाइंट के मूल्यांकन फार्मेट के आधार पर हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

संजय मेधावी बने लविवि के कार्यवाहक रजिस्ट्रार

लखनऊ। एमबीए डिपार्टमेंट के प्रमुख संजय मेधावी को लखनऊ विश्वविद्यालय का नया कार्यवाहक रजिस्ट्रार बनाया गया है। जनवरी 2020 से लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रहे डॉ विनोद कुमार सिंह का तबादला पिछले दिनों आगरा विश्वविद्यालय हो गया था, लेकिन विश्वविद्यालय में नैक प्रक्रिया के चलते वह 24 जुलाई तक रुके हुए थे। 25 जुलाई 22 को वह यहां से रिलीव होकर आगरा विश्वविद्यालय का कार्यभार ग्रहण कर चुके है। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार का पद परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी देख रहे थे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के 'किचन कैबिनेट' में शामिल संजय मेधावी को यह पद सौंपा गया है। दोपहर बाद कार्यवाहक रजिस्ट्रार विद्यानंद त्रिपाठी ने उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि में जेंडर और सेक्शूऐलिटी विषय पर ग्रुप डिस्कशन आयोजित

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा परास्नातक के विधार्थियों के लिए आज एक नयी पहल की शुरुआत हुई। मंगलवार को विभाग द्वारा रुप डिस्कशन आयोजित किया गया, जिसका विषय जेंडर और सेक्शूऐलिटी कार्यस्थल पर विविधता और समावेश था। सत्र का संचालन लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने किया। कार्यक्रम मनोविज्ञान विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर विभाग के 60 छात्र मौजूद थे। छात्रों ने ऐतिहासिक पहलुओं को समझाते हुए की एलजीबीटी की कहां से शुरुआत हुई, और एलजीबीटी कम्युनिटी को कब अधिकार मिला, उनको किन- किन भेदभाव का सामना करना पड़ता है आडिट विषयों पर चर्चा की। छात्रों ने बताया कि भारत में लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल एवं ट्रांसजेंडर (एलजीबीटी) लोगों को गैर-एलजीबीटी व्यक्तियों द्वारा अनुभव नहीं किए जाने वाले कानूनी और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पिछले एक दशक में, एलजीबीटी लोगों ने भारत में अधिक से अधिक सहिष्णुता प्राप्त की है, खासकर बड़े शहरों में। फिर भी, भारत में अधिकांश एलजीबीटी लोग गुप्त रहते हैं, अपने परिवारों से भेदभाव के डर से, जो समलैंगिकता को शर्मनाक और अपराध की दृष्टि से देखते हैं। छात्रों ने कहा कि अभी भी ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें एलजीबीटीक्यू का मतलब नहीं पता है, हमें कोशिश करनी होगी और ज्यादा से ज्यादा लोगों को अवगत कराना होगा, जिससे हमारे आस-पास कोई अगर एलजीबीटी कम्युनिटी का कोई व्यक्ति मिलता है तो हम उसे समझ सकें। होमोफोबिया, बाइफोबिया और ट्रांसफोबिया अभी भी पराजित नहीं हुए हैं और अभी सामाजिक समवेश लाने के लिए हमें काफी प्रयास करने होंगे।